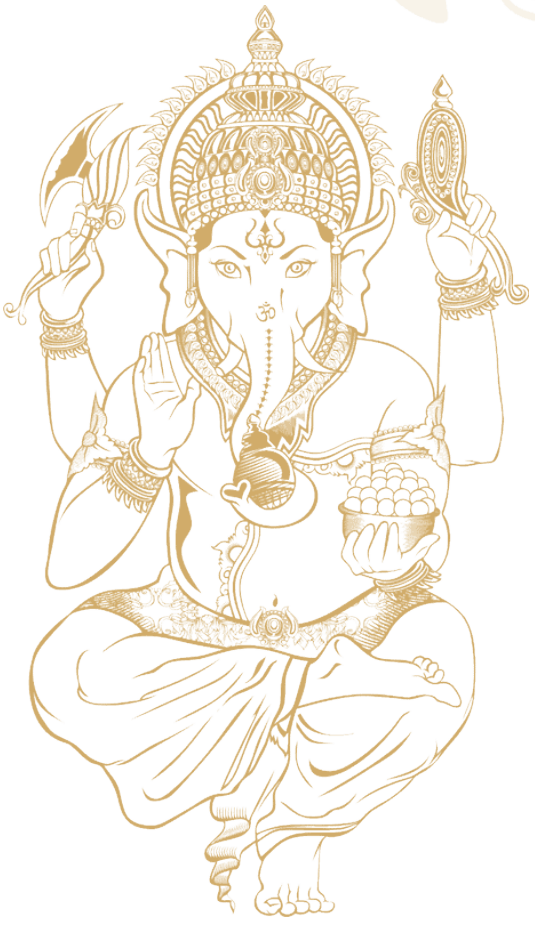

Mr. Ahriyank

Ms. Rupali pandey

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119694203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	04/12/1999
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	21:01:00 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	36:03:28 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Pune
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	18:34:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	73:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	06:51:58
18:20:20	सूर्यास्त	17:56:24
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि	25:53:37	सिंह	लग्न	कर्क	01:21:32	राहु 10वर्ष 6मा 20दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	वृश्चि	18:10:31	गुरु
16/02/2024	18:03:57	धनु	चंद्र	तुला	12:10:51	25/06/2010
16/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	मक	12:33:32	25/06/2026
मंगल 15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	तुला	28:00:38	गुरु 12/08/2012
राहु 02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु व	मेष	01:36:04	शनि 23/02/2015
गुरु 09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	तुला	04:38:24	बुध 31/05/2017
शनि 18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि व	मेष	17:44:41	केतु 07/05/2018
बुध 14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	कर्क	11:23:43	शुक्र 05/01/2021
केतु 10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	मक	11:23:43	सूर्य 24/10/2021
शुक्र 12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	19:45:37	चन्द्र 23/02/2023
सूर्य 18/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	08:27:32	मंगल 30/01/2024
चन्द्र 16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:33:16	राहु 25/06/2026

लग्न-चलित

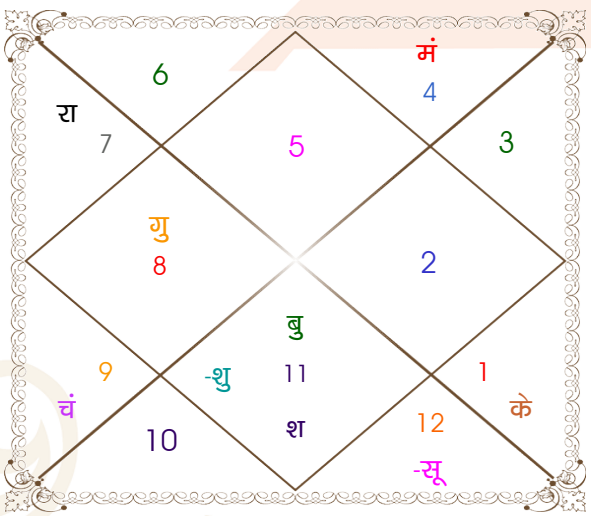

लग्न-चलित

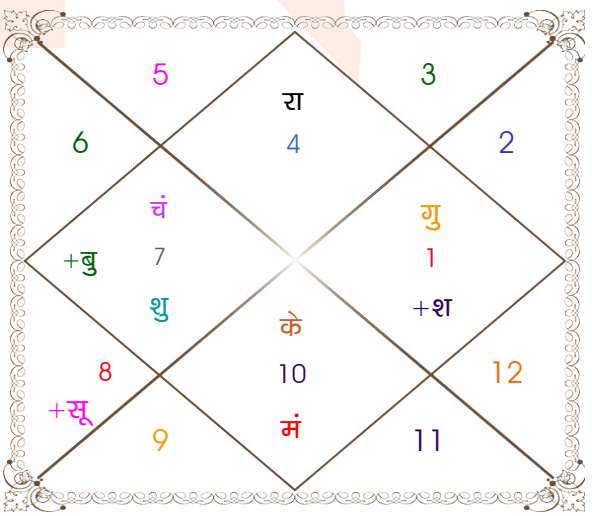

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण ीतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा डेण त्नचंसप चंदकमल का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ीतपलंदा और डेण त्नचंसप चंदकमल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ीतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण ीतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण ीतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण त्नचंसप चंदकमल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण त्नचंसप चंदकमल कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण त्नचंसप चंदकमल कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण ीतपलंदा कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण ीतपलंदा कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ीतपलंदा तथा डेण त्नचंसप चंदकमल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।